प्रभू तेरे अन्दर कही पे छुपा है भजन लिरिक्स

प्रभू तेरे अन्दर कही पे छुपा है,
वो सब देखता है,
वो सब देखता है,
न हो यकीँ जिसको आकर के देखे,
जिसे देखना है,
जिसे देखना है।bd।

तर्ज – तुम्ही मेरे मन्दिर।

नही कोई सँशय,
न कोई भरम है,
चर और अचर सब मे,
व्यापक वो ब्रह्म है,
कहना यही सब,
सँत मतोँ का,
यही वैद का है,
यही वैद का है।bd।

दुनिया से चाहे तू,
नज़रे चुराए,
मगर ईश्वर से,
नही बच पाए,
कर्मो पे तेरे सब,
उसकी नज़र है,
वो सब देखता है,
वो सब देखता है।bd।

बाँध के मुट्ठी,
भरोसा दिलाया,
करूँगा भजन,
वादा करके तू आया,
मौजेँ उढ़ाने को प्रभू,
जग मे हमको,
नही भेजता है,
नही भेजता है।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

प्रभू तेरे अन्दर कही पे छुपा है,
वो सब देखता है,
वो सब देखता है,
न हो यकीँ जिसको आकर के देखे,
जिसे देखना है,
जिसे देखना है।bd।

– भजन लेखक एवं प्रेषक –
शिवनारायण वर्मा,
मोबा.न.8818932923
/7987402880

वीडियो अभी उपलब्ध नहीं।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com